

This question paper contains 2 printed pages.

May, 2025

Roll No. :
Unique Paper Code : 121302412
Title of the Paper : आपस्तम्बधर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र का इतिहास
Āpastambadharmasūtra & History of Dharmaśāstra
Name of the Course : M.A., Sanskrit, LOCF
Type : EC
Group : E
Semester : IV
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

7x4=28

Explain the following Sutras :

- i. तेषामभ्यागमनं भोजनं विवाहमिति च वर्जयेत् । तेषामिच्छतां प्रायश्चित्तम् । यथा प्रथमेऽतिक्रमः ऋतुरेवं संवत्सरः ।

अथवा/OR

आषोडशाद्ब्रह्माणस्यानात्यय आर्द्धाविंशत्क्षत्रियस्याऽऽचतुर्विंशत्क्षत्रियस्य यथा व्रतेषु समर्थः स्याद्यानि वक्ष्यामः । अतिक्रान्ते सावित्र्याः ऋतुं त्रैविद्यकं ब्रह्मचर्यं चरेत् ।

- ii. गुरोरुदाचारेष्वकर्ता स्वैरिर्कर्मणि, स्त्रीभिर्यावदर्थसम्भाषी मृदुः शान्तः दान्तः ह्रीमान् दृढधृतिः अग्लौस्तुः अक्रोधनः अनसूयुः ।

अथवा/OR

विद्वानेवोपनेताऽभिगम्यत इति विधातुमविदुषो निन्दामाह- तमसो वा एष तमः प्रविशति यमविद्वानुपनयते यश्चाऽविद्वानिति हि ब्रह्मणम् ।

- iii. छन्दः कल्पो व्याकरणं ज्योतिषं निरुक्तं शीक्षाच्छन्दोविचितिरिति । शब्दार्थारम्भणानां तु कर्मणां समाम्नायसमाप्तौ वेदशब्दस्तत्र सङ्ख्या विप्रतिशिद्धा । अङ्गानां तु प्रधानैरव्यपदेश इति न्यायवित्समयः ।

अथवा/OR

आर्याः प्रयता वैश्वदेवेऽन्नसंस्कर्तारः स्युः, भाषां कासां क्षवधुमित्यभिमुखोऽन्नं वर्जयेत् केशानङ्गं
वासश्चाऽऽलभ्याऽप उपस्पृशेदार्याधिष्ठिता वा शूद्राऽसंस्कर्तारः स्युः ।

- iv. स्वधर्मयुक्तं कुटुम्बिनमभ्यागच्छति धर्मपुरस्कारो नाऽन्यप्रयोजनः सोऽतिथिर्भवति, तस्य पूजायां शान्तिः स्वर्गश्च।
तमभिमुखोऽभ्यागम्य यथावयस्समत्य तस्यासनमाहारयेत् ।

अथवा/OR

यथा चण्डालोपस्पर्शने सम्भाषाया दर्शने च दोषस्तत्र प्रायश्चित्तमवगाहनमपामुपस्पर्शने, सम्भाषायां
ब्राह्मणसम्भाषा, दर्शने ज्योतिषां दर्शनम् ।

2. निम्नलिखित में से पर टिप्पणी लिखिए, जिसमें किसी एक विषय पर संस्कृत में
हो:

5+5+5+7=22

Write short notes on the following and **One** Must be in **Sanskrit**:

- | | | | |
|------|------------------|----------|---------------------|
| i. | बौधायन धर्मसूत्र | अथवा /OR | मेधातिथि |
| ii. | चण्डेश्वर | अथवा /OR | जीमूतवाहन |
| iii. | विज्ञानेश्वर | अथवा /OR | ॐ के प्रयोग का नियम |
| iv. | श्राद्धकर्म | अथवा /OR | कमलाकरभट्ट |

3. धर्मशास्त्र के अनुसार वर्ण-व्यवस्था का विस्तृत विवेचन कीजिए ।

10

Describe the Varna System according to Dharmashastras in detail.

अथवा /OR

राजधर्म पर एक निबन्ध लिखिए ।

Write essay on Rajadharma.

4. आपस्तम्बधर्मसूत्र के अनुसार, संस्कारों का वर्णन करते हुए “उपनयन संस्कार” का वर्णन कीजिए ।

10

Describing the Sanskaras, Elucidate the upanayana-system according to ‘Apastambadharmasutra’.

अथवा /OR

आपस्तम्बधर्मसूत्र के अनुसार गृहस्थाश्रम में विहित कर्मों का प्रतिपादन कीजिए ।

According to Apastambadharmasutra, enunciate the dharma of Grihasthashrama.